



विश्वास - निर्माण - गौरव

डबल इंजन सरकार

दोगुनी हुई
विकास की रफ्तार

आकांक्षाओं के नए शिखर पर छत्तीसगढ़...

प्रधानमंत्री आवास योजना

- 26 लाख से अधिक पीएम आवास स्वीकृत
- 15,000 पीएम आवास आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए

कृषक उन्नति योजना

- ₹3100 प्रति किंटल की दर से 21 किंटल प्रति एकड़ धान खरीदी, देश में धान का सर्वाधिक मूल्य
- 26 लाख किसानों को 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' का लाभ

श्रीरामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना

- 39,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने किए अयोध्या एवं काशी विश्वनाथ के निःशुल्क दर्शन

जनजातीय कल्याण

- पीएम जनमन योजना - लगभग 60,000 PVTG परिवार लाभान्वित
- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से 6,691 ग्राम लाभान्वित

माओवादी आतंक से मुक्ति की ओर

- 500 से अधिक नक्सली न्यूट्रलाइज
- 2400 से अधिक पुनर्वास, 1900 से अधिक नक्सली गिरफ्तार
- 83 नए सुरक्षा कैंप स्थापित

सड़कों का विकास

- ₹40,000 करोड़ से अधिक की लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास

पारदर्शी व्यवस्था का निर्माण

- सुशासन निहार से समस्याओं का त्वरित निदान
- सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन
- 400 से अधिक नीतिगत सुधार

महतारी गौरव वर्ष

- 70 लाख महिलाएं महतारी वंदन योजना से बनीं आर्थिक रूप से सशक्त
- 38 लाख महिलाओं को 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' का लाभ

तैदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि

- दर ₹4000 से बढ़कर ₹5500 प्रति मानक बोरा
- 52 लाख तैदूपत्ता संग्राहक लाभान्वित

निवेश का नया हब छत्तीसगढ़

- ₹7.83 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव नवीन औद्योगिक विकास नीति से
- नवा रायपुर में एआई डेटा सेंटर पार्क, सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग यूनिट ले रहा आकार

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन

कृषि मजदूर कल्याण योजना

- 5.62 लाख भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष ₹10,000 की आर्थिक सहायता

युवा कल्याण

- युवा स्वरोजगार हेतु 50% सब्सिडी पर ब्याजमुक्त ऋण की सुविधा
- लगभग 32,000 शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ, अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट

रेल नेटवर्क का विस्तार

- ₹47,447 करोड़ की विभिन्न रेल परियोजनाएं ले रही आकार

विश्वस्तरीय शहर नवा रायपुर

- रेल सेवा की शुरुआत, राज्य राजधानी क्षेत्र (SCR) का होगा गठन
- चित्रोत्पला फिल्म सिटी और तीरंदाजी अकादमी की होगी स्थापना
- मेडिसिटी, फार्मास्युटिकल हब, रेडीमेड गारमेंट पार्क ले रहे हैं आकार

S-46810

निरंतर
सेवा
निरंतर
2 साल
विकास



अंडमान-निकोबार अद्वितीय जैव-विविधता का वैश्विक धरोहर केंद्र: भारतीय प्राणी सर्वेक्षण

श्री विजयपुर/नवप्रदेश। हिंद महासागर के विस्तृत नीले विस्तार के मध्य स्थित अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह विश्व की जैव-विविधता के मानचित्र पर एक विशिष्ट और संवेदनशील धरोहर के रूप में स्थापित हो रहा है। यहाँ की प्राणी संरचना, उच्च स्थानिकता (एंडेमिज्म) और अनूठे पारिस्थितिकी तंत्रों ने वैज्ञानिकों एवं नीति-निर्माताओं का ध्यान समान रूप से आकर्षित किया है। इसी परिप्रेक्ष्य में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र ने छत्तीसगढ़ से आए प्रकाशों के साथ संवाद में महत्वपूर्ण तथ्य साझा किए।

संवाद के दौरान डॉ. सिक्करकेमन, अतिरिक्त निदेशक, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने संस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और अनुसंधान उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण की औद्योगिक स्थापना 1 जुलाई 1960 को हुई। इसकी वैज्ञानिक ब्रह्म 1784 में स्थापित परिषदाधिक संसाधनों और मानव म्यूजियम, कोलकाता में विकसित शोध



परंपरा ने इसे सुदृढ़ आधार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र राष्ट्रीय प्राणी सर्वेक्षण संस्था की परिकल्पना प्रखंडल प्राणी विज्ञानी थॉमस नेल्सन वनरुडेल ने की थी। 21 अप्रैल 1977 को स्थापित अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र आने वाले वर्ष अमरी स्पर्ण ज्वंती मनने जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, द्वीपसमूह से अब तक 11,000 से अधिक प्राणी प्रजातियाँ दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें लगभग 10 प्रतिशत स्थानिक हैं—अर्थात् ये प्रजातियाँ विश्व में

केवल यहीं पाई जाती हैं। यह उच्च स्थानिकता द्वीपों के दीर्घकालिक भौगोलिक अलगाव, विशेषकर 10 डिग्री चैनल, का परिणाम मानी जाती है। पक्षी विविधता की दृष्टि से द्वीपसमूह अत्यंत समृद्ध है। यहाँ 380 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ दर्ज हैं, जिनमें लगभग 30 स्थानिक प्रजातियाँ शामिल हैं। तितलियों की दृष्टि से भी यह क्षेत्र उल्लेखनीय है—305 से अधिक प्रजातियाँ, जिनमें 176 प्रजातियाँ अथवा उस-प्रजातियाँ स्थानिक श्रेणी में



आती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, द्वीपसमूह की जैव-भौगोलिक निरंतरता दक्षिण-पूर्व एशिया और इंडो-म्यांमार क्षेत्र से होने के कारण यहाँ विशिष्ट प्रजातीय संरचना विकसित हुई है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के लघु प्रभुत्व में 1,500 से अधिक संरक्षित नमूनों का पर्यटन किया गया है, जो क्षेत्र की स्थलीय एवं समुद्री जैव-विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं। आनुवंशिकों के अनुभव को अधिक सशक्त और इंटरैक्टिव बनाने के

उद्देश्य से संग्रहालय में शीघ्र ही क्यूअर कोड आधारित स्मार्ट सूचना प्रणाली लागू की जाएगी, जिसके माध्यम से पर्यटक एवं छात्र अपने मोबाइल उपकरणों पर प्रत्येक नमूने की विस्तृत जानकारी हिंदी और अंग्रेजी ऑडियो भ्रमण सहित प्राप्त कर सकेंगे।

संवाद में कई विशिष्ट प्रजातियों का उल्लेख भी किया गया। इनमें लेटरवैक कछुआ प्रमुख है, जो विश्व का सबसे बड़ा समुद्री कछुआ है और लंबी समुद्री यात्राएँ कर निकोबार टापू पर अंड देने

पायनन, कोबरा, वाइपर तथा समुद्री सोप शमिल हैं, जबकि समुद्री जैव-विविधता 6,000 से अधिक प्रजातियों—कोरल, रीफ गैंग फिश, सी ऑर्बिन, सी स्टार और मोलस्क—को समेटे हुए है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा इन सभी प्रजातियों का सुखव्यवस्थापित डिजिटल एवं भौतिक डेटाबेस तैयार किया जाता है, जिसे नियमित रूप से अद्यतन कर मुख्यालय को प्रेषित किया जाता है।

देशव्यापी अनुसंधान नेटवर्क के विस्तार की दिशा में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने अगम्यता में 17वें क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना की योजना का भी उल्लेख किया। अधिकारियों ने कहा कि यह पहल भारत के विविध पारिस्थितिकी तंत्रों और समुद्र तटों का संरक्षण प्रयासों को और सुदृढ़ करेगी। यह संवाद स्पष्ट करता है कि अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह जैव-विविधता संरक्षण, वैज्ञानिक अनुसंधान और पर्यावरणीय संतुलन के दृष्टिकोण से एक अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है, जिसकी सुरक्षा और संरक्षण के लिए भारतीय प्राणी सर्वेक्षण सतत प्रयासरत है।

समाज के संगठित और जागरूक होने से विकास को मिलती है मजबूती

समाज के संगठित और जागरूक होने से विकास को मिलती है मजबूती: सीएम साय

■ कोसमनारा में सामुदायिक भवन विस्तार के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा

रायपुर/नवप्रदेश। महाशिवरात्रि के पानन अवसर पर कोसमनारा धाम में आयोजित स्थानांतरण दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बिजयपुर साय ने कहा कि समाज जब संगठित और जागरूक होता है, तब विकास को वास्तविक मजबूती मिलती है। साहू समाज की एकजुटता, शिक्षा और समर्पण प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में समाज की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समर्थन मूल्य पर भवन बेचने वाले 25 लाख से अधिक किसानों को 73100 प्रति फ़ीटल को रू. 2 से और गरीबों को रू. 1 पर एकसुत्र प्रदान की जाएगी। लगभग 21,00,000 किसानों की यही सीमा किसानों के खातों में अंतर्भूत की जाएगी। उन्होंने कहा कि अग्रजता भावों-बहनों की समर्थन दे ही सरकार की समर्थन प्रार्थना है और सरकार किसानों के परिश्रम



का समर्थन सुनिश्चित करने के लिए प्रयत्न करेंगे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने कोसमनारा स्थित श्री की 108 सत्यनारायण बाबा जी एवं भक्त माता कर्म-खण्ड मंदिर में प्रतिपादित पुजा-अर्चना कर आज मुख्यमंत्री की सुख-समृद्धि और सुखाली की कामना की तथा महाशिवरात्रि की शुभकामना दी।

कार्यक्रम की सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 16 फरवरी 1998 से पुण्य सत्यनारायण बाबा खुले आकाश के नीचे निर्भर तपस्या में लीन हैं। तीनों जुओं में 28 वर्षों से अधिक समय तक साधना करना अत्यंत

अद्वितीय और प्रेरणादायक है। यह धर्म सामाजिक समरसता, आस्था और भाईचारे का सशक्त प्रतीक बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा जी के आशीर्वाद से उन्हें चार बार संसद रहने का अवसर मिला और आज मुख्यमंत्री की सुख-समृद्धि का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने बाबा भोलेनाथ एवं बाबा सत्यनारायण से प्रेरणासिद्धि को समर्थन दिया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कोसमनारा स्थित कर्म साहू सामुदायिक भवन के ऊपर अतिरिक्त निर्माण के लिए 750 लाख की घोषणा की। साथ ही

उन्होंने श्री रामलाल दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तैयें दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से प्रेरणासिद्धि को अयोग्य सहित देश के प्रमुख स्थलों पर भी यात्रा का अवसर मिल रहा है।

समारोह में समाज कल्याण में उत्कृष्ट योगदान के लिए त्रिभुवन बाबा रहल लाल साहू, कपिल नाथ, अरुण साहू, मनोज साहू एवं वैदय साहू को सम्मानित किया गया। कोबा विला साहू की राजेंद्रा तथा बाबा सत्यनारायण चालीसा का सम्मोहन भी किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साय ने महाशिवरात्रि की

शुभकामनाएं देते हुए कहा कि साहू समाज की एकजुटता विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कोसमनारा धाम के विकास हेतु लाभार्थ डेढ़ करोड़ रुपये के प्रतिपादित कार्यों की जानकारी दी। नरेंद्र साहू ने विलासपुर संभाग के सात जिलों के नव निर्वाचित विला साहू संचय पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में लोकसागर सांसद श्री राधेय्या राठौर, कमंडोल विधायक श्री संजय साहू, जैनपुर विधायक श्री बलेश्वर साहू, नगर निगम महापौर श्री जयचंद्र चौहान, पूर्व सांसद श्री लखनलाल साहू, तेलचानी बोर्ड अध्यक्ष श्री निरंज साहू, श्री डिगोल साहू सहित विलासपुर संभाग के सात जिलों के नव निर्वाचित पदाधिकारी, बाबा सत्यनारायण की माता हंसमती देवी, संगमराण्ड श्री सुनील जैन, आंडीजी श्री रामगोपाल गौड़, कलेक्टर श्री महमद चुंदवैदी एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री शशि मोहन सिंह सहित अन्य अधिकारियों तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

18 फीट ऊंचे शिव प्रतिमा का उद्योग मंत्री देवांगन ने पूजन अर्चना कर किया अनावरण

■ विभिन्न धार्मिक अग्रजों में हुए सम्मिलित

रायपुर/नवप्रदेश। जेसीआई कोबा द्वारा मोतीसगर बस्ती के समीप मुक्तिधाम में भगवान शंकर की 18 फीट ऊंची मूर्ति की कैबिनेट मंत्री सह कोबा नगर विधायक लखन लाल देवांगन ने पूजा-अर्चना कर अनावरण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने जेसीआई कोबा द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जब वह कोबा के महापौर थे तब इस मुक्तिधाम का कार्यकल्प किया गया था। जेसीआई ने इस मुक्तिधाम की व्यवस्था कर बेहतर तरीके से रखरखाव एवं संचालन किया जा रहा है।

इस अवसर पर श्री टी.एन. बजाज, श्री अयोग्य अग्रवाल श्री राम कुमार सोनी, श्री गिरिधर अस्मरनी, श्री गिरिधर टमकोरिया, श्री पी.एस. गंधी जी, सम्पादित श्री नूतन सिंह, भजन जिला उपाध्यक्ष श्री प्रभुज तिवारी, पाण्डे श्रीमती स्वी सागर जी, पाण्डे श्रीमती रमा मोहन, पाण्डे श्री तामेश अग्रवाल, पाण्डे श्री नरेंद्र देवांगन, मंडल अध्यक्ष श्री योगेश मिश्रा, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री राजेंद्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

इसी तरह मंत्री श्री लखन लाल देवांगन मानिकपुर में भगवान शंकर की प्राण प्रतिष्ठा में



बुधवार बस्ती को सामुदायिक भवन की सजावट, किया लोकार्पण

कोबा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत गौरी शंकर मंदिर के समीप बने 10 लाख की लागत के सामुदायिक भवन का प्रेक्षा काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर क्षेत्र वारियों ने मंत्री श्री देवांगन का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में सम्पादित नूतन सिंह, पाण्डे सुख सागर निर्मलकर, पाण्डे पंकज देवांगन, पाण्डे श्री नरेंद्र देवांगन, पाण्डे श्री अशोक चालीसा, पाण्डे श्रीमती ममता यादव, जिला उपाध्यक्ष श्री प्रभुज तिवारी के साथ-साथ क्षेत्रवासी अधिक संख्या में उपस्थित रहे।

सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की। सम्मिलित की मांग पर मंदिर के पास सामुदायिक भवन हेतु 15 लाख की घोषणा की। जेसीआई कोबा में सम्पादित होकर पूजा अर्चना कर क्षेत्र वारियों के महान कामना की। सम्मिलित की मांग पर मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन हेतु 10 लाख की घोषणा की।

इसी तरह बालको नगर के परसा गंगा बहिर्बद्ध में नवनिर्मित शंकर मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना कर क्षेत्र वारियों के महान कामना की। सम्मिलित की मांग पर मंदिर परिसर में सामुदायिक भवन हेतु 10 लाख की घोषणा की।

अलका चंद्राकर और वैशाली रायकवार की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को बांधे रखा

लोकसंगीत और बॉलीवुड सुरों से सजा मैनापाट महोत्सव का दूसरा दिन



■ मेला, बोटिंग और दंगल के रोमांच के साथ उमड़ा जनरलाव

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के 'मिनापाट' के नाम से विख्यात मैनापाट में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का दूसरा दिन सांस्कृतिक वैभव, उत्साह और जनसहभागिता के नाम रहा। सुरों की मधुर गूंज, गैंगार नृत्य प्रस्तुतियों और मेले की चहल-चल ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। मशहूर छत्तीसगढ़ी लोकगायिका अलका चंद्राकर और इंदिरा आहलूवालिया वैशाली रायकवार की शानदार प्रस्तुतियों ने रंग तट दर्शकों को बांधे रखा।

लोकसंगीत की मधुर सतित में डूबा मैनापाट: कार्यक्रम की शुरूआत अलका चंद्राकर की मधुरमय सारंगी प्रस्तुति से हुई, जिसने वाद्यों को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। इसके बाद ददरिंग, सुखा गीत और

पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकभूतों की मनमोहाक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को झुमने पर मजबूर कर दिया। उनकी रमणीय आवाज और मंच पर प्रस्तुति ने लोकसंस्कृति की छटा बिखेर दी। बॉलीवुड धुनों पर धिक्के कदम: वैशाली रायकवार ने अपने दमदार स्वर और लोकप्रिय बॉलीवुड गीतों की श्रृंखला से महानिर्वाह में जोषा भर दिया। एक के बाद एक प्रस्तुत गीतों पर दर्शक झुमते रहे और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा परिसर गूंज उठा। युवा दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

विविधता और प्रतिभा का मंच: जलपरी-चापा से आरंभ शक्ति प्रतियोगिता का मंच के ट्रेमजैक कलाकौशले ने 'नी ट्रांस' स्वरूप में पाठपूर्ण नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। उनकी उम्र, अभिनय और समर्पण ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। विशेष आयाम दिया। स्थानीय

कलाकारों—आंचल मंदलिया, मनमोहि, दिलवाला सिंह, माही जायसवाल और हर्ष पुरी—ने भी अपनी शक्त प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। शास्त्रीय और बाल

प्रतिभाओं की झलक: नवीन शास्त्रीय संगीत महाविद्यालय, अंबिकापुर की छात्राओं ने कथक नृत्य की सुंदर प्रस्तुति देकर शास्त्रीय कला की गरिमा को मंच पर जीवंत किया। वहीं स्कूली बच्चों ने गीत और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। मेले की रौनक, बोटिंग और दंगल का रोमांच: सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महोत्सव स्थल पर सवे पंच मेले में रंग शाय तट भी उमड़ा उमड़ा रहा। झूले, खानपान और विविध स्टॉल अग्रणी का केंद्र बने रहे।

पर्यटकों के विश्वसनीय लोगों ने बोटिंग का भरपूर आनंद लिया। दंगल प्रतियोगिता में पहलवानों के

बीच हुए रोमांचक और दमदार मुकाबलों को देखने के लिए दर्शकों में विशेष उत्साह देखा गया। हर दौड़-पेच पर तालियों और उत्साहजनक की आवाजें गूंजी रही।

गरिमापयी उपस्थिति: कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोक्ष सिंह शिंदे, जनपद उपाध्यक्ष श्री अनिल सिंह, श्री रजनीश पाण्डेय, श्री राम यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारियों और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित हुए। मैनापाट महोत्सव का दूसरा दिन सांस्कृतिक एकता, लोकप्रतिभा और सांस्कृतिक मनोरंजन का जीवंत उद्घरण बना। संगीत, नृत्य और रोमांच से सभी यह शाम लंबे समय तक लोगों की यादों में बनी रहेगी।

सरगुजा ओलीपिक: जिला स्तरीय आयोजन में 10 हजार खिलाड़ी हुए शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पहली बार हो रहे सरगुजा ओलीपिक के जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में संभाग के सभी 6 जिलों के कुल 10 हजार 577 खिलाड़ियों ने अपने दमभय और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

सरगुजा ओलीपिक के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर आयोजित साप्ताहिक प्रतियोगिताओं ने अपने-अपने जिला मुख्यालयों में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह, जोर और जज्बे के साथ हिस्सेदारी की। सरगुजा संभाग के सभी जिला मुख्यालयों में 5 फरवरी से 13



फरवरी के बीच अलग-अलग तिथियों में इनका आयोजन किया गया था। सरगुजा ओलीपिक के जिला स्तरीय आयोजनों में 12 खेलों में 10 हजार 577 खिलाड़ियों ने अपने खेल प्रतिभा

का प्रदर्शन किया। इनमें कोरिया जिले के 510, जगपुर के 3126, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 706, सरगुजा के 1797, बलरामपुर-रामानुजगढ़ के 2424 तथा सूरजपुर जिले के 2014

खिलाड़ी शामिल थे। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता अथवा संभाग स्तरीय आयोजन में अपनी चमक बिखेरेंगे। सरगुजा ओलीपिक के संभाग स्तरीय विजेताओं को खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य में संचालित खेल अकादमियों में सीधे प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही उन्हें युवा आइकन भी घोषित किया जाएगा। ये युवा आइकन बच्चों व युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। सरगुजा ओलीपिक के जिला स्तरीय आयोजनों में खिलाड़ियों ने 5 व्यक्तिगत और 7 स्त्रीय खेलों में हिस्सेदारी की।

शहनाज गैरेज
NIYAZ AUTOMOBILES

हमारे यहाँ सभी कंपनी के पेट्रोल व डीजल कारों का अनुभवी मैकेनिक एवं अध्यापनिक मशीनों के द्वारा मैकेनिकल इलेक्ट्रिकल, एस.टी. का कार्य किया जाता है।

पता: न्यू बाम्बे मार्केट मीहटापुरा रायपुर, छ.प्र.
Call : 9300011181

राव आयुर्वेदिक पाइल्स क्लीनिक
विनय आरसेरेन ईलाज

बवासीर भागंदर फिशर

हमारा एक के जलने लगे का आयुर्वेदिक इलाज

मौलिकता के जलने के लिए नवीन की कृपा उपाय

10 रोजों के जलने

15 जनवरी से 15 फरवरी तक फायरलेस नि:शुल्क

कुलनारी का रायपुर 99074 41866
कुलनारी का रायपुर 92385 25005

कुलनारी का रायपुर 99074 41866
कुलनारी का रायपुर 92385 25005

कुलनारी का रायपुर 99074 41866
कुलनारी का रायपुर 92385 25005

ग्रामीण विकास और किसानों की आय बढ़ाने के दिशा में कार्य कर रही सरकार : योगेश्वर

■ सरकार ग्रामीण विकास और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार नई पहल कर रही है -
विधाकर

महसमूंद/नवप्रदेश। ग्राम चिंगरी में 'वी बी जी राम जी' कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक जन चौपाल का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विधाकर

योगेश्वर राजू निम्न ने किसानों को संबोधित करते हुए योजना के लाभों की विस्तार से जानकारी दी और विभिन्न भारत की परिकल्पना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार नई पहल कर रही है। विधाकर निम्न ने बताया कि नरेंद्रा योजना के तहत रोजगार के दिनों में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां ग्रामीणों को 100 दिनों का रोजगार मिलता था, अब इसे बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इससे मजदूरी पर निर्भर परिवारों को अधिक काम के अवसर मिलेंगे और उनकी



आय में वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी बताया कि योजना को आनीतिवका मिशन से जोड़ने के कारण स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था देश की रीढ़ है और इसके सशक्त होने से विकासित भारत का सपना साकार होगा। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी ग्राम विकास, आत्मनिर्भर भारत और किसान सशक्तिकरण जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी

जिलाध्यक्ष नेतारम साहू, 'वी बी जी राम जी' के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व राज्य मंत्री पुनम चंद्रकार, बीज निगम अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) चंद्रशेखर चंद्रकार, जनपद उपाध्यक्ष हुलसी चंद्रकार, जनपद सदस्य विजय लक्ष्मी जांगड़े, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष पित्तेश्वर पटेल, जिला महामंत्री देवेन्द्र चंद्रकार, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष दिव्यवजय साहू, जिला मंडीया सह प्रभारी आनंद साहू, मंडल महामंत्री साजन यादव, भाजपा नेता पंकज चंद्रकार, मिलिंद चंद्रकार, ग्राम पंचायत चिंगरीद के सरपंच छेकू जलधर, दीपक साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

डॉ. अर्चना वर्मा प्राचार्य पद पर पदोन्नत, छात्रों व स्टाफ ने दी बधाई



भाटापारा/नवप्रदेश। नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान इन्वार्स राम यादव शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में डॉ. अर्चना वर्मा के प्राचार्य पद पर पदोन्नति होने पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय परिवार ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। समारोह के दौरान स्टाफ सदस्यों ने नवनिर्भर प्राचार्य का तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर शोभायिका स्थापित किया। वक्ताओं ने डॉ. अर्चना वर्मा के अब तक के आध्यात्मिक योगदान की सराहना करते हुए विद्यालय जाना कि उनके नेतृत्व और अतृप्तता कायरेली ने विद्यालय शिक्षा और कला के क्षेत्र में नई उचाइयों को छुए। पंचम पर प्रशस्त करने के पश्चात डॉ. वर्मा ने सभी के सह के जति आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और विद्यालय का सर्वोर्ण विकास उनकी प्राथमिकता होगी। इस गरिमामयी अवसर पर उपस्थित विद्यालय के समस्त विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारियों ने नवनिर्भर प्राचार्य को बधाई एवं शुभकामना दी है।

कृषि विज्ञान केंद्र में माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण 16 से

भाटापारा/नवप्रदेश। भारत सरकार के 'प' योजना अंतर्गत सीएसएमआईसी रायपुर के बैनर तले पंचांग्रामीणसमूह इंदरबाद द्वारा सेक्टर स्पेसिफिक ट्रेनिंग प्रोग्राम में माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र भाटापारा में 16 फरवरी से आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण शुरू होगा बैच 16-19 से 18 फरवरी, दूसरा बैच 19 से 21 फरवरी तृतीय बैच 22-25 फरवरी एवं चौथा बैच 26-28 फरवरी को आयोजित होगा। प्रशिक्षण समय सुबह 10:30 बजे से शाम के 4:30 बजे तक होगा। इस प्रशिक्षण में माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस फूड प्रोसेसिंग से संबंधित नई तकनीक, नए उपकरण, मशीनें, ऑडिट के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा, साथ ही साथ ब्रांडिंग, पैकेजिंग मार्केटिंग, आवश्यक सर्टिफिकेशन एवं बिजनेस डेवलपमेंट पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में फूड प्रोसेसिंग और माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस से जुड़े हुए उद्यमी, महिला उद्यमी, स्व सहायता समूह एवं युवा साथी भाग ले सकते हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णतः निशुल्क है। प्रशिक्षण पश्चात प्रमाण पत्र दिया जाएगा एवं निशुल्क उद्यम चर्चक बनाया जाएगा। पंजीयन हेतु प्रत्येक बैच के प्रशिक्षण के प्रथम दिवस सुबह 10:30 बजे केंवें के भाटापारा में संयर्क कर सकते हैं। अगले आवश्यक दस्तावेज आचार काई, पत्र काई और अकाउंट डिस्टिट के साथ आ सकते हैं। आचार काई आवश्यक है। प्रशिक्षण के लिए मोबाइल नंबर 7566 1 95551 पर संयर्क कर सकते हैं।

शिव-गौरी के विवाह में शामिल होंगे द्वारिकाधीश

महसमूंद/नवप्रदेश। महाशिवरात्रि पर नगर में भक्ति, ब्रद्धा और उत्साह का अनुभूत संगम देखने को मिलेगा। आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में खड्गरी विधाकर एवं पूर्व संसदीय सचिव द्वारिकाधीश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। युवा उत्कल महाकाल परिवार, गणेश पाद विधाकर के तत्ववाचन में 14 एवं 15 फरवरी को भव्य शोभायात्रा तथा शिव-गौरी विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा दिए गए आमंत्रण को विधाकर भी यादव ने सहर्ष स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में सहभागिता की सहमति प्रदान की है। समिति के अनुसार 14 को मानव कार्यक्रम आयोजित होगा, वहीं 15 को धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला प्रातः 9 बजे भवमान शिव के रक्षाधिक से प्रारंभ होगी। पश्चात 10 बजे तेल-हल्दी की पारंपरिक रस्म निभाई जाएगी।

राजिम कुंभ कल्प के मुख्य मंच पर बिखरी लोकसंस्कृति की छटा

राजिम/नवप्रदेश। राजिम कुंभ कल्प के 13वें दिन मुख्य मंच पर लोककला, पंडितजी और छत्तीसगढ़ी गीतों की ऐसी अखिल धारा बहती कि दर्शक देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लेते रहे। कार्यक्रम की शुरूआत पंडितजी भाषिका प्रभा यादव की वेशभूषा में हुई। उन्होंने दीर्घपटी विवाह प्रसंग को 'अनुदान बिखरी लाल



की जगह' के उद्घोष और परंपरिक कलाओं की संत के साथ किया। इसके बाद नृत्यविद्यालय पांडुका के छात्र-छात्राओं ने बागमारी गीत प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ी लोकजगत की झलक दिखाई। 'पवन-चाय बैल के शुक बाजे र' गीत पर आभारित नृत्य ने पशु-प्रेम और ग्रामीण संस्कृति को मंच पर साकार कर दिया।

पर्व स्नान करने उमड़ी नागा साधु-संतों की भीड़

राजिम कुंभ कल्प में महाशिवरात्रि पर नागा साधुओं सहित साधु संतों ने निकाली शोभायात्रा

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और राजिम-अमनपुर विधाकर हुए शामिल
अस्त्र-शस्त्रों से लैस नागा साधुओं ने किया शौर्य प्रदर्शन

राजिम/नवप्रदेश। राजिम कुंभ कल्प मेला के अंतिम दिवस महाशिवरात्रि के पवन पर्व पर नागा बाबाओं, साधु-संतों, विभिन्न अखाड़ों ने शाही स्नान के लिए ऐतिहासिक शोभायात्रा संत समाम स्थल परिसर से सुबह 7 बजे निकाली। इस शोभा यात्रा में समस्त नागा, साधु-संतों के साथ संस्कृति और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, राजिम विधाकर सहित साहू, गरियाबंद कलेक्टर बीएस जूके, पुलिस अधीक्षक वेददात रिसैवर, जिला पंचायत सचिवों प्रहल चंद्रकार, राजिम एसडीएम विशाल महाराज, नगर पालिका अध्यक्ष मोहना यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। शोभायात्रा में सुसज्जित



पारलियों शाही बगगी, घोड़ों में विभिन्न साधु-संत सवार थे। शोभायात्रा संत समाम स्थल से शुभारंभ कर राजिम श्रीकृष्णधर महादेव मंदिर के पीछे मार्ग से नेहरू बाल उद्यान होते हुए, इंदिरा मार्केट, राजिम पुल, पं. सुंदरलाल शर्मा चौक, गौरवधर राजिम, वीआईपी मार्ग होते हुए मेला परिसर में बने शाही कुंड में पहुंचे। शोभायात्रा का स्वागत दोनों शहर नवापारा और राजिम में विभिन्न कैफ चौपालों में पूल बरसा कर किया गया। शोभायात्रा में विभिन्न चैक में अनेकों अस्त्र-शस्त्रों से लैस नागा बाबाओं, साधु-संतों प्रदर्शन करते हुए अखाड़ चलाते

साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। इस विवेक दृष्टि को देखने मेला क्षेत्र के अलावा कुंड के पास बड़ी संख्या में गणनाओं एवं दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ी हुई थी। शाही यात्रा की भव्यता का आनंद लेते विदेशी पर्यटक भी शामिल हुए।

सुखा के महेनजर पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था थी। इस शाही यात्रा में श्री पंच दशनामी सन्यासी अखाड़ के नागा साधु के अलावा विभिन्न अखाड़ों के साधु संत, भैरवी शाकि, करीब पंच, सतनाम पंथ के संतों एवं उनके अनुयायी भी शामिल रहे।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि 'महाशिवरात्रि पर नागा साधुओं की शाही शोभायात्रा और शाही स्नान ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया है। शाही स्नान के लिए प्रदेश सहित देश के कोने-कोने से साधु-संत पहुंचे हुए हैं। राज्य सरकार राजिम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयत्नशील है। यहां की आस्था, संस्कृति और व्यवस्था देखकर हर कोई अभिभूत है।

ग्राम बेमचा में कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ

महसमूंद/नवप्रदेश। ग्राम बेमचा में स्व.दादू गुलाब सिंह चंद्रकार परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा शुक्रवार की कलश यात्रा के साथ शुरू हुई। कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।



इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव, भदसीवा विधाकर अनुज शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दत्तवैजय आचार काई, पत्र काई और अकाउंट डिस्टिट के साथ आ सकते हैं। आचार काई आवश्यक है। प्रशिक्षण के लिए मोबाइल नंबर 7566 1 95551 पर संयर्क कर सकते हैं।

योगेश्वर राजू निम्न, सम्मत अग्रवाल तथा पुनम चंद्रकार सहित अनेक जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन द्वारिका प्रसाद चंद्रकार, श्रीमती जानकी चंद्रकार, श्रीमती मां चंद्रकार,

श्रीमती संगीता-गुल्लु चंद्रकार, श्रीमती विभिन्न चंद्रकार तथा श्रीमती आकांक्षा-अनमोल चंद्रकार द्वारा काया जा रहा है। कथावाचक दक्षिण कोशल पीठाधीश्वर स्वामी राजीव लोचन दास महाराज हैं। उन्होंने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर वेदी स्थापना कराई और कथा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन समिति के अनुसार 20 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा होगी।

माताओं को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास की दी गई परामर्श

केंद्र में मनाया गया वजन लोहार, बच्चों का किया गया वजन-माप

महसमूंद/नवप्रदेश। जिले में 09 फरवरी से 18 फरवरी 2026 तक वजन लोहार का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के बाबाबादा विकास खंड के कोमाखान सेक्टर के ग्राम कसीलवाहा आंगनवाड़ी केंद्र में वजन लोहार बड़ी हो उठा। इसका संचालन किया गया, जिसमें 0 से 6 साल के बच्चों



का वजन और ऊंचाई मापी गई। साथ ही किशोरी लालिका, गर्भवती एवं शिशुवती, महिलाओं का वजन और ऊंचाई दर्ज किया गया। पाठकगणों को बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों का समय पर टीकाकरण का सही माता द्वारा सन पान, खान पान संबंधित

विस्तार पूर्वक समझाई दी गई। माताओं को बच्चों के ग्रीध चाट के बारे में भी बताया गया। आंगनवाड़ी केंद्र में माताओं को जेड स्कोर के जरिए बच्चों से जुड़ी सामान्य, मध्यम और गंभीर कुपोषित के लक्षण को बताया गया। सामान्य बच्चों को इस कैटेगरी में और गंभीर बच्चों को लाल कैटेगरी में होना बताया। जो बच्चा लाल कैटेगरी में है वो बच्चा गंभीर होता है, जिसके बारे में गृह भेंट के जरिए जागरूक किया जाता है।

केंद्रीय बजट विलसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाला -किरण सिंहदेव

केंद्रीय बजट को लेकर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

महसमूंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा के तत्ववाचन में केंद्रीय बजट को लेकर जिला मुख्यालय महसमूंद में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रस्तुत संकल्पना को साकार करने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप, डिजिटल सशक्तिकरण और कोशल विकास के माध्यम से अपने बहने का अवसर देता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे सरकार की योजनाओं का



लाभ उठकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाए। मुख्य वक्ता एवं प्रमुख अतिथि अनुज शर्मा ने कहा कि यह बजट युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप, डिजिटल सशक्तिकरण और कोशल विकास के माध्यम से अपने बहने का अवसर देता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे सरकार की योजनाओं का

उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे संवाद के माध्यम से बजट की सकारात्मक जानकारी को समाज के बीच पहुंचाएं। महसमूंद विधाकर योगेश्वर राजू निम्न ने कहा कि यह बजट प्रदेश सहित महसमूंद जिले के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। युवाओं के लिए कोशल विकास, उद्योग और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। बसना विधाकर डॉ. चंद्रशेखर चंद्रकार, इंदरवी गोल्डी, सरला कोसरीया, पुनम चंद्रकार, विमल चोपड़ा, विमल पटेल, रामलाल चौहान, प्रीतम पटेल, आदि उपस्थित रहे।

मिर्जी जमीनों, और खेतों में लगे पौधों को वन क्षेत्र की वृद्धि बता रही है सरकार: विनोद

महसमूंद/नवप्रदेश। पूर्व विधाकर विनोद सेवनलाल चंद्रकार ने भाजपा सरकार पर वन क्षेत्र के आंकड़ों को लेकर जनता को प्रभाव करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिर्जी जमीनों, खेतों और पर्वत के आसपास लगे पौधों की गणना को वन क्षेत्र की वृद्धि बताकर भारतीय जनता पार्टी



सरकार बाह्यवादी लुटेने की कोशिश कर रही है। वन मंत्री द्वारा 683 वर्ग किलोमीटर जंगल बढ़ने का दावा किया जा रहा है और वास्तविकता में प्राकृतिक वन में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। श्री चंद्रकार ने आरोप लगाया कि प्रदेश के जंगल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के हवाले किया जा रहा है और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को अनदेखी हो रही है। उन्होंने कहा कि वन से राज्य में भाजपा की सरकार आई है, तब से बड़े पैमाने पर प्राकृतिक वनों की कटाई हो रही है। विशेष रूप से हंसदेव अरण्य जैसे घने वन क्षेत्रों को कायदा खनन परियोजनाओं के लिए पेड़ों की कटाई उधारी है। उन्होंने बताया कि हंसदेव अरण्य की जैव-विविधता से मेहनत नहीं खाते और ये क्षेत्र राजनीतिक प्रचार का प्रयास है।

इस्ट केते बासन कोल ब्लॉक (पोर्केन) परियोजना के तहत लाखों पेड़ काटा जा रहा है। यह क्षेत्र सरगुजा, कोरिया और कोरवा जिलों तक फैला हुआ है और इसे छत्तीसगढ़ के 'फेरेड' के रूप में जाना जाता है। पूर्व विधाकर ने यह भी कहा कि पर्यावरणीय मजदूरी की प्रक्रिया को आसान बनाए जाने से खनन गतिविधियों में तेजी आई है, जिससे रायगढ़ के तमनार, नारायणपुर, उत्तर बस्तर काकिर, बीजापुर, बस्तर, गरियाबंद और बलौदाबाजार जिले के सोमाखान क्षेत्र में भी वनों की कटाई की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि प्राकृतिक जंगलों के लगातार वन होने के बावजूद वन क्षेत्र में वृद्धि के सरकारी दावे वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाते और ये क्षेत्र राजनीतिक प्रचार का प्रयास है।

महर्षि कुंभज ऋषि आश्रम में होता है त्रि दिवासीय रामचरितमानस गान का आयोजन



नगरी/नवप्रदेश। नगरी सिंहवा महर्षि कुंभज ऋषि सप्त ऋषि की पवन स्थल महानदी चित्रवत्य गंगा की उद्गम स्थल से 1 किलोमीटर दूर दक्षिण दिशि में मलयाचल पर्वत डोंगरीपारा (सिंहवा) में समाधि में लीन हो गए। सप्त ऋषियों के इस पवन धारा में अनेकों गाथा तुलसी कृत रामचरित मानस प्रभ में उत्कृष्ट हिंदस तथेभूमि में महाशिवरात्रि के

25 फिरे शिवरात्रि के दिन 1001 बेल पत्र, दुध, लहसुन से अभिषेक कर मंत्रोच्चारण के द्वारा अभिव्यक्त पुनर्जात किया जाता है वना देव प्रभ में जेता वन में भवमान भोले शंभू माता स्वामी के साथ रामकथा सुनने इस अभ्रम में अकर कुट्ट दिन रूक कर महर्षि से रामकथा का संचयन किया जाइस सती को मोह देता की वहाइ से राम कथा श्रवण करने में वीरत हो गया।

छत्तीसगढ़ में झई मौसम, तापमान 2-3 डिग्री बढ़ा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में मौसम पूरी तरह झुई बना हुआ है। ठंड का असर भी कम होता दिखने पड़ रहा है। इस समय दिन में गर्मी और सुबह-शाम हल्की ठंड का असर बना हुआ है। हालांकि पिछले चार-पांच दिनों के भीतर राज्य के औसत तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके अलावा मौसम में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। अगले सात दिन यहीं टैंडेंड रहने का अनुमान है। पिछले 24

घंटों में प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 32.5°C रायपुर और सक्कर कम न्यूनतम तापमान 9°C अधिकपूर में दर्ज किया गया है। रायपुर में बारिश के आंकड़े सुना रहे हैं। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जायदलपुर, अधिकपूर और पेंड्रा में दिन का तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जिससे दिन में गर्मी बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों के तापमान में भी वृद्धि देखी गई है।

सांकरा में पांच दिवसीय भव्य मानस सम्मेलन का शुभारंभ,

नगरी/नवप्रदेश। सांकरा में भक्ति और अखाड़ का अद्भुत संगम आज सत्रय देखने को मिलेगा, जब अखिलेश्वरपद लल-जगदीश भट्ट ने विशेष पूजा-अर्चना के साथ पाद टिप्पणी भव्य मानस सम्मेलन का शिथिल शुभारंभ किया होगा। आचार्य पंडित उदेकाव दिवान ने वैदिक भक्तिकार के भी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शरणावधि और ब्रह्मचर्य की भी बर्तित से पूरा वातावरण भक्तिपूर्ण हो उठा। कार्यक्रम की शुभारंभ अलावा श्रीराम जी का जन्मदिन के रूप में पूजा-अर्चना और पूजा प्रदान के साथ हुआ। दुर्ग-दुर्गादेव से पूरे शहर-नगरवासी और गांधी प्रेक्षकों की बहिनकाव उद्घाटित हो अखिल जी लोभ बह गई।

अतिथियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाली छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में आयोजन सचिव सपना ठाकुर एसोसिएट प्रोफेसर, समन्वयक डॉ. वंदना चौहान, डॉ. ममता शशि साह एसोसिएट प्रोफेसर और डॉ. कल्पना भूषण जोशी एसोसिएट प्रोफेसर व अन्य सक्रिय रहे।

- ललित उपाध्याय

[illegible]

पांच दिवसीय इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, निवेशकों, नीति निर्माताओं और शोधगिकी क्षेत्र के दिग्गजों सहित 25 लाख से अधिक आतुंतुकों में अने की उम्मेद है। इसमें 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विश्व के 3250 से अधिक वक्ता एवं पैरल सेशन ब्रगा लेंगे। प्रमनननी कालैर्यल ने नयनन में अगे कल, इत सत्रों में विभिन्न क्षेत्रों में एरई के परितननकरी प्रभाप पर विचार-विमर्श किला जाएगा और हए सुनिश्चित किला जाएगा कि कृषिमें वृद्धिमान से विश्व के सभी लोगे को लाभ मिले।

खूबसूरत नजर आ रही हैं। वीथियो में उन्हें मुस्कुराते हुए अलग-अलग पोंप देते देखा जा सकता है। ऑफ-व्हाट वेकलेस एंजल में निधि का लुक काफी आकर्षक लग रहा है। खुले बालों और स्टायलिश इंगरिंग्स उनके पूरे लुक को और भी निखार रहे हैं। उनके चेहरे की मासूमियत और सादगी भरी अदाएं किसी को खूबसा पसंद आ रही हैं। निधि अगवाला का यह लेटेस्ट फोटोशूट एक बार फिर साबित करता है कि वह न सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं, बल्कि स्टायल और फैशन के मामले में भी किसी से कम नहीं हैं। फैस अब उनकी आने वाली फिल्में और नए प्रोजेक्ट्स का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।



आज बचाओगे पानी, कल खुशहाल होगी जिंदगानी

नव प्रदेश
गंडे भेगा स्टेरी

जल पृथ्वी पर जीवन का आधार है। यह केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण, कृषि, उद्योग और समग्र मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य है। जल के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पेड़-पौधे, जीव-जंतु और मनुष्य सभी जल पर निर्भर हैं। नदियां, तालाब, कुआं और पोखर जल के प्रमुख स्रोत हैं, जो हमें पीने के पानी के साथ-साथ सिंचाई, निरस्तारी प्रदान करते हैं। आज जल संकट एक वैश्विक समस्या बन गया है। बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकरण और शहरीकरण के कारण जल संसाधनों पर अत्यधिक

दाबाव पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त, जल प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। जल स्तर लगातार रसातल पर जा रहा है। कई क्षेत्रों में पीने के पानी की कमी एक बड़ी चुनौती है, जिससे लोगों को दूर-दराज से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह अत्यंत आवश्यक है कि जल संरक्षण के प्रति मानव समाज गंभीर हो। वर्षा जल संचयन, जल का विवेकपूर्ण उपयोग, जल प्रदूषण पर नियंत्रण और जल संसाधनों का उचित प्रबंधन कुछ ऐसे उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर हम इस बहुमूल्य संसाधन को बचा सकते हैं। आगामी दिनों में भीषण गर्मी से सभी का सामना होना है। ऐसे में 'जल है तो कल है' यानी हम आज जल को बचाएंगे, तभी हमारा कल सुनिश्चित रह पाएगा। आज पानी बचाएंगे तो कल खुशहाल जिंदगानी होगी।

चकाचौंध की दुनिया से दूर ग्राम सौर के बैगा परिवार, ना बिजली, ना पानी, ना सड़क- हर दिन संघर्ष में गुजर रही जिंदगी

रोज का संघर्ष: पानी के लिए 2 किमी का पगड़डियों भरा सफर

जीतेंद्र नामदेव

कवचाई। विकास और आधुनिक सुविधाओं के दावों के बीच कबीरधाम जिले के बोडला विकासखंड अंतर्गत ग्राम सौर आज भी मूलभूत सुविधाओं से कोसी दूर है। जिला मुख्यालय से लगभग 65 किलोमीटर दूर स्थित यह छोटा सा आदिवासी गांव आज भी पानी, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है।

यहां रहने वाले बैगा आदिवासी परिवार चकाचौंध भरी दुनिया से बेखबर कटित पॉस्टमॉडर्निटी में जीवन बिताने को मजबूर है। ग्राम



सौर में लगभग 20 बैगा परिवार निवास करते हैं। गांव तक पहुंचने के लिए आज भी पक्की सड़क नहीं है, जिससे बारिश के दिनों में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। सबसे बड़ी समस्या पेयजल की है। ग्रामीणों को रोजाना पानी लाने के लिए करीब 2 किलोमीटर दूर पागड़डियों से पानी भरकर लाना पड़ता है।

उनके अन्य काम भी प्रभावित होते हैं। ग्रामीण जंगल बैगा ने बताया कि गांव में कई बार अधिकारी और जनप्रतिनिधि पहुंचते हैं। पानी लाने की समस्याएं सुनीं और आश्वासन भी दिए, यहाँ तक कि कबल

स्थिति भी चिंताजनक है।

रज्जु बैगा के अनुसार गांव में प्राथमिक स्कूल तो मौजूद है, लेकिन शिक्षकों की नियमित उपस्थिति और पढ़ाई की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए पड़ोसी या बोडला जाना पड़ता है, जो दूरी और संसाधनों की कमी के कारण सभी के लिए संभव नहीं हो पाता। इससे कई बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं।

रमूत बैगा बताते हैं कि गांव के लोगों की सूखह पानी की तलाश से शुरू होती है। सूखह करीब 8 बचे महिन्यां और पुरुष वर्तन लेकर निरस्तते हैं और

कठिन पागड़डियों से गुजरते हुए पानी लाते हैं। बिजली और सड़क जैसी सुविधाएं यहाँ के लोगों के लिए अब भी सपना बनी हुई हैं। रात होते ही पूरा गांव अंधेरे में डूब जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों की सुरुआत देनों प्रभावित होती है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से योजनाओं और विकास की बातें सुने आ रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत अब भी नहीं बदली है। आज भी ग्राम सौर के लोग उम्मीद लगाए बैठे हैं कि शासन-प्रशासन उनकी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देगा और उन्हें भी मूलभूत सुविधाओं का अधिकार मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के बांधों की सेहत पिछले साल से बेहतर

छत्तीसगढ़ में मानसून सीजन 2025 में अच्छी बारिश के चलते जल संसाधनों की स्थिति मजबूत है। प्रदेश में 12 बड़े और 34 मध्यम श्रेणी के बांध हैं, जिसमें सितंबर तक 90.66 प्रतिशत जल संग्रहण हुआ था। यह 2024 की तुलना में बढ़े बांधों में 13.99 और मध्यम में 6.48 प्रतिशत अधिक जल संग्रहण है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक छत्तीसगढ़ के बांधों की स्थिति ठीक है। यहां फरवरी माह में जल भराव 80 प्रतिशत के करीब है।

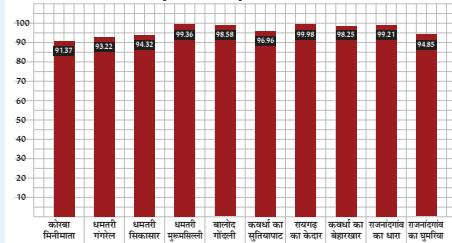
बड़े बांधों में जल भंडारण की स्थिति (प्रतिशत में)

बांध	वर्ष 2025	वर्ष 2024
मिनीमाता बागो	91.37	87.29
रविशंकर सागर	93.22	85.26
तांदुला जलाशय	100	84.26
दुधाता जलाशय	71.38	99.37
सिकासार बांध	94.32	89.75
खारंग जलाशय	100	94.65
सोदूर जलाशय	75.47	74.64
मुरुमसिल्ली	99.36	99.54
कोडार जलाशय	54.70	55.55
मनियारी जलाशय	100	98.25
केली जलाशय	71.77	88.23
अरपा भैंसाझार	68.19	74.41

(जलभराव की स्थिति 27 सितंबर 2025 की स्थिति में)



छत्तीसगढ़ के इन बड़े बांधों में जलभराव



(मानसून समाप्ति के बाद सितंबर-2025 की स्थिति में जल भराव के आंकड़े)

90% वर्ष- 2025

88% वर्ष- 2024

78% वर्ष- 2023

(छत्तीसगढ़ के बांधों में जलभराव के औसत आंकड़े सितंबर-2025 की स्थिति में)

छत्तीसगढ़ की जीवनदायिनी बांधों के नाम भी जानिए

- बालोद का तांदुला
- बिलासपुर का खारंग
- मुरेली का मनियारी
- बालोद का खारंग
- बस्तर का कोसारदेड़ा
- कांकेर का परलकोट
- कवचाई का चिरायनी
- राजनांदगांव का मोयरा
- बिलासपुर का घोषा
- राजनांदगांव का मट्टियामोति
- कवचाई का कुरा नाला
- सरगुजा का बंकी
- रायगढ़ का किनकरी
- सरगुजा का कुंवरपुर
- राजनांदगांव का सुखा नाला
- दुर्ग का खपरी
- सरगुजा का बरनई
- रायगढ़ का पुदकका नाला
- कांकेर का मायना

जल आयोग की रिपोर्ट: देशभर के 166 जलाशयों का जलस्तर लुढ़का

दो पारे और बारिश की कमी का असर अब जल स्रोतों पर दिखने लगा है। केंद्रीय जल आयोग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश के 166 प्रमुख जलाशयों में पानी का स्तर इस वर्ष लुढ़ककर कुल क्षमता का 64 प्रतिशत रह गया है। लेकिन, राहत की बात यह है कि कुल मिलाकर पानी भंडारण का हाल पिछले साल के मुकाबले बेहतर है। जल आयोग का कहना है कि इन जलाशयों में अभी 118.140 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी मौजूद है। यह मात्रा बीते साल के इसी समय की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है और पिछले 10 सालों के औसत जलस्तर से 25 प्रतिशत ज्यादा है।

दक्षिण भारत में पिछले साल से कम पानी

रिपोर्ट कहती है कि पांच क्षेत्रों में से चार में जलस्तर 70 प्रतिशत से नीचे गिरा गया है। दक्षिण भारत की स्थिति थोड़ी खराब नजर आ रही है। दक्षिण क्षेत्र के 47 जलाशयों में जलस्तर 56.63 प्रतिशत है, जो पिछले साल (57.21 प्रतिशत) से कम है। तेलंगाना में पानी 45 प्रतिशत से नीचे है। कर्नाटक और केरल में जलस्तर 60 प्रतिशत से कम है। तमिलनाडु में 62 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश में 72 प्रतिशत पानी बचा है।

पश्चिमी और मध्य भारत का हाल

पश्चिमी क्षेत्र की बात करें तो यहाँ के 53 जलाशयों में पानी की क्षमता 75 प्रतिशत है। गुजरात और महाराष्ट्र दोनों राज्यों में जलस्तर 75-75 प्रतिशत है। मध्य भारत के 28 बांधों में 75.3 प्रतिशत पानी है। छत्तीसगढ़ में स्थिति अच्छी है (80 प्रतिशत के करीब), लेकिन मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में जलस्तर 70 प्रतिशत से नीचे है।

उत्तर और पूर्व के राज्यों का हाल

उत्तर भारत के 11 जलाशयों में कुल 60 प्रतिशत पानी है। राजस्थान में 77 प्रतिशत, पंजाब में 69 प्रतिशत और हिमाचल प्रदेश में 52 प्रतिशत जलस्तर दर्ज किया गया है। पूर्वी भारत की ओर देखें तो यहाँ असम का जलस्तर केवल 26 प्रतिशत रह गया है। मिजोरम में 40 प्रतिशत, जार्खंड बिहार और पश्चिम बंगाल में 45 प्रतिशत से कम पानी है। वहीं, मेघालय का बांध 97 प्रतिशत भर है और ओडिशा में जलस्तर 65 प्रतिशत से ऊपर है।

20 दिन बाद भी नहीं सुलझी समस्या, नेता प्रतिपक्ष का आरोप- जिम्मेदार बैठकें कर औपचारिकता निभा रहे, जमीनी स्तर पर समाधान नहीं हो रहा

गर्मी शुरू होने से पहले रायपुर में पेयजल संकट, 450 घरों में नहीं पहुंच रहा अमृत मिशन का पानी

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में गर्मी ठीक से शुरू भी नहीं हुई है, लेकिन कई इलाकों में पेयजल संकट गहराने लगा है। लाल बाबुर शास्त्री बाई के शिव मंदिर क्षेत्र की गली नंबर 1 से 5 तक करीब 450 घरों में अमृत मिशन का पानी नहीं पहुंच पा रहा है। समस्या को लेकर नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने नगर निगम आयुक्त विश्वदीप और जल बोर्ड के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर स्थिति का निरीक्षण करवाया और जमीनी हकीकत से अवगत करवाया।

नेता प्रतिपक्ष के अनुसार, अहिल्याबाई लेकर चौक से बिछाई गई 4 इंच के पाइपलाइन के जरिए यादवपुर, धोबीघाट और अर्जुन चौक समेत करीब 900 घरों में पानी की आपूर्ति की जा रही है। एक ही लाइन पर अधिक कनेक्शन होने के कारण पानी का दबाव कम हो गया है, जिससे शिव मंदिर क्षेत्र की गलियों में पानी नहीं पहुंच रहा। आकाश तिवारी ने महापौर और परिषद पर आरोप लगाया कि वे केवल बैठकें कर औपचारिकता निभा रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा।



'वाल्च ने नहीं सुलझी समस्या'

आकाश तिवारी ने बताया कि उन्होंने 22 जनवरी को ही स्पष्ट कर दिया था कि केवल लाल बाबुर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। इसके बावजूद जल बोर्ड ने 3 से 5 लाख रुपये खर्च कर 10, 8 और 6 इंच के तीन लाल वाल्च, लेकिन 20 दिन बाद भी हालात नहीं सुधरे। जल बोर्ड के अधिकारियों ने अर्जुन चौक के पास दो दिन के लिए वाल्च लगाकर पानी के फोंस की जांच करनी की बात कही है।

गर्मी से पहले बढ़ी चिंता

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यदि अभी एक वाई में यह स्थिति है तो आने वाली गर्मी में हालात और बिगड़ सकते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि यदि एक वाई है कि समस्या है तो बाकी 69 वाई की स्थिति क्या होगी।

स्थायी समाधान में देरी पर उठें सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि जब जमीनी स्थिति स्पष्ट है, तब भी स्थायी समाधान में देरी क्यों की जा रही है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल यह है कि वाई के नागरिकों को उनके मूलभूत जल अधिकार से वंचित न होना पड़े।

जरूरत पड़ी तो नई पाइपलाइन डाली जाएगी

यदि प्राल्त लगाने के बाद भी पानी का फोंस नहीं बढ़ता है तो नई 4 इंची पाइपलाइन डाली जाएगी।

- विश्वदीप, आयुक्त, नगर निगम रायपुर

जल संरक्षण के लिए छोटे कदम



- नल बंद रखें: ब्रश करते समय या हाथ धोते समय नल खुला न छोड़ें।
- लीकज ठीक कराएं: टपकते हुए नल को तुरंत ठीक कराएं, क्योंकि यह कई लीटर पानी बर्बाद कर सकता है।
- घर पर जल संचयन: बारिश के पानी को इकट्ठा करके उसका उपयोग करें। वाटर हार्डनिंग को अपनाना।
- पानी का पुनः उपयोग: सॉफ्टवॉश धोने के बाद बचे पानी का उपयोग पौधों में डालने के लिए करें।
- जानकरूता फैलाएं: परिवार और पड़ोसियों को भी पानी की बचत के लिए प्रेरित करें।